Baba’s Praise

14/2/2015

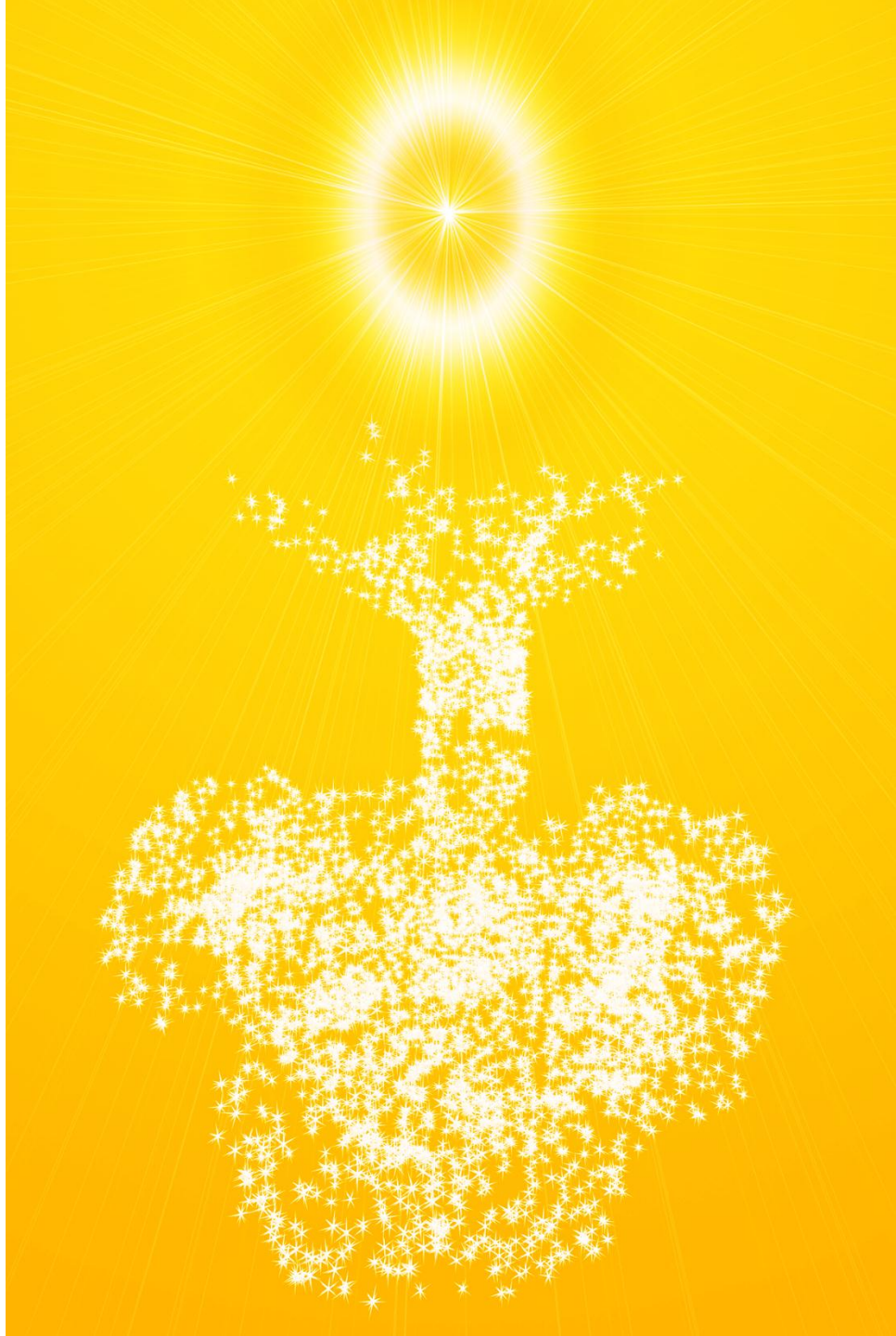

- गाते भी हैं ब्रह्मा देवताए नम:, विष्णु देवताए नम:, शंकर देवताए नम: फिर कहा जाता है **शिव परमात्मा**ए नम: । यह भी तुम जानते हो शिव को अपना शरीर नहीं है ।

- बच्चे जानते हैं कि अभी हम आत्माओं को **बाप पढ़ा रहे हैं** और जो भी **सतसंग** हैं वास्तव में वह कोई सत का संग है नहीं । बाप कहते हैं वह तो माया का संग है ।

- **पुनर्जन्म में आते नहीं** । वह तो बिन्दु है ।

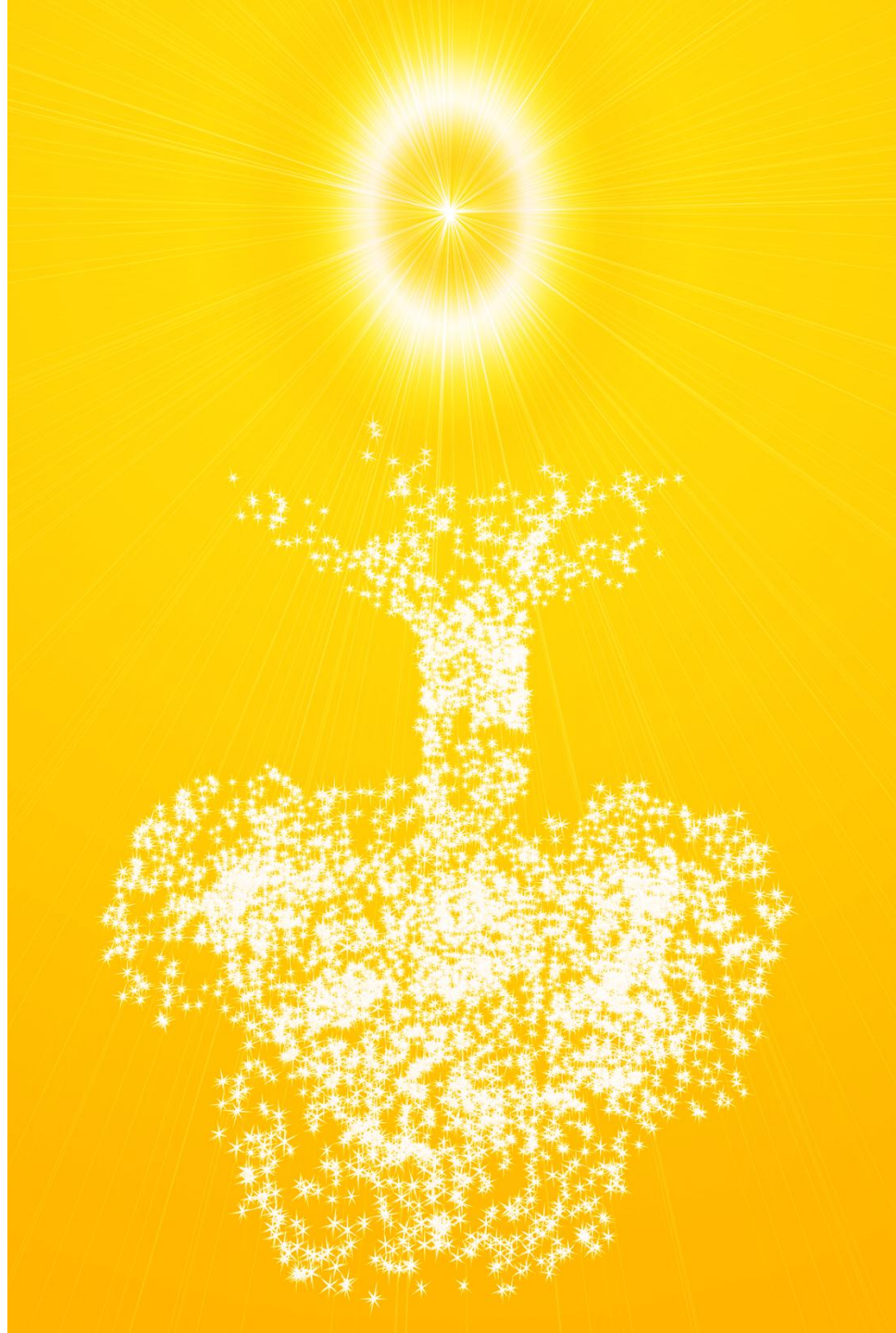

- यह भी समझाना है कि गुरू दो प्रकार के हैं । एक हैं भक्ति मार्ग के गुरू, वह भक्ति ही सिखलाते हैं । यह बाप तो है **ज्ञान का सागर,** इनको **सतगुरू** कहा जाता है ।यह कभी भक्ति नहीं सिखलाते, **ज्ञान ही सिखलाते हैं ।**

- तुम बच्चों का धंधा है ज्ञान रत्नों का, इनको भी व्यापार कहा जाता है । बाप भी **रत्नों का व्यापारी** है ।

- **निराकार** बाप, उनका नाम है **शिवबाबा** । तुम आत्माओं का नाम तो आत्मा ही है ।

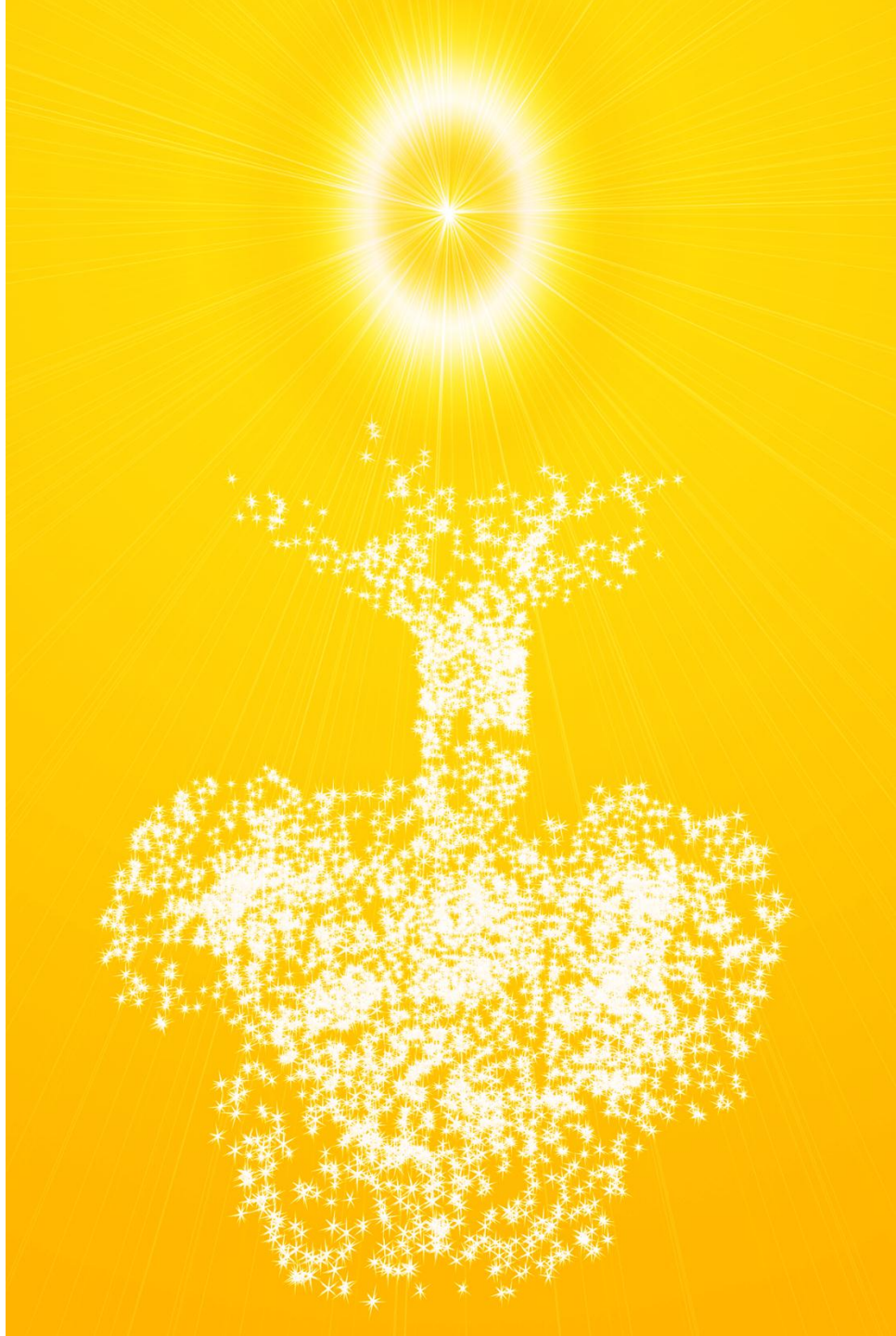

- जबकि बाप **हेविनली गॉड फादर** हैं, हम उनके बच्चे बने हैं तो भी स्वर्ग के मालिक ठहरे ।

- अभी तुम सिद्ध कर बतलाते हो - **गीता शिव भगवान ने सुनाई** है । उसने ही **राजयोग सिखाया**, ब्रह्मा द्वारा ।